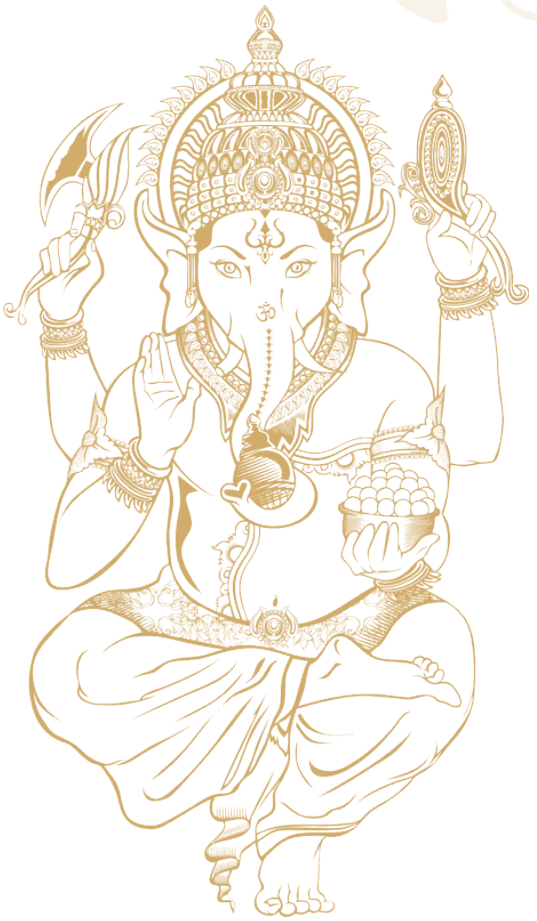

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121822902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/03/2001	जन्म तिथि	11/05/2001
मंगलवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 22:30:00	जन्म समय	17:45:00 घंटे
घटी 39:58:47	जन्म समय(घटी)	30:32:47 घटी
India	देश	India
Iglas	स्थान	Barddahamau
27:43:00 उत्तर	अक्षांश	23:15:00 उत्तर
77:56:00 पूर्व	रेखांश	87:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:18:16	स्थानिक संस्कार	00:21:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:30:29	सूर्योदय	04:59:30
18:25:29	सूर्यास्त	18:10:40
23:52:09	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:16

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 13वर्ष 3मा 8दि	23:38:30	तुला	लग्न	तुला	22:10:52	शुक्र 19वर्ष 1मा 17दि	
शनि	29:18:30	कुंभ	सूर्य	मेष	26:59:28	सूर्य	
22/06/2014	22:16:19	तुला	चंद्र	धनु	13:54:44	28/06/2020	
21/06/2033	19:18:14	वृश्चि	मंगल	धनु	05:10:41	29/06/2026	
शनि 24/06/2017	01:59:30	कुंभ	बुध	वृष	15:35:41	सूर्य 16/10/2020	
बुध 04/03/2020	10:51:14	वृष	गुरु	वृष	21:54:00	चन्द्र 16/04/2021	
केतु 12/04/2021	23:24:36	मीन व	शुक्र	मीन	15:03:30	मंगल 22/08/2021	
शुक्र 12/06/2024	02:13:36	वृष	शनि	वृष	08:40:55	राहु 17/07/2022	
सूर्य 25/05/2025	18:43:23	मिथु व	राहु	मिथु	13:17:19	गुरु 05/05/2023	
चन्द्र 24/12/2026	18:43:23	धनु व	केतु	धनु	13:17:19	शनि 16/04/2024	
मंगल 02/02/2028	28:44:57	मक	हर्ष	कुंभ	00:49:55	बुध 20/02/2025	
राहु 09/12/2030	14:00:55	मक	नेप व	मक	14:54:22	केतु 28/06/2025	
गुरु 21/06/2033	21:24:17	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	20:40:25	शुक्र 29/06/2026	

लग्न-चलित

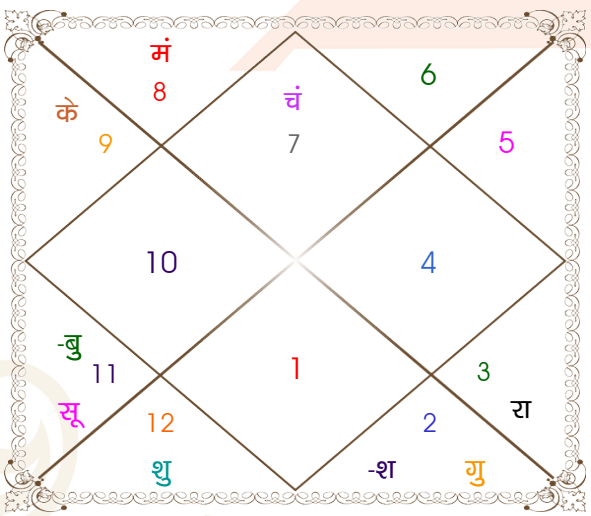

लग्न-चलित

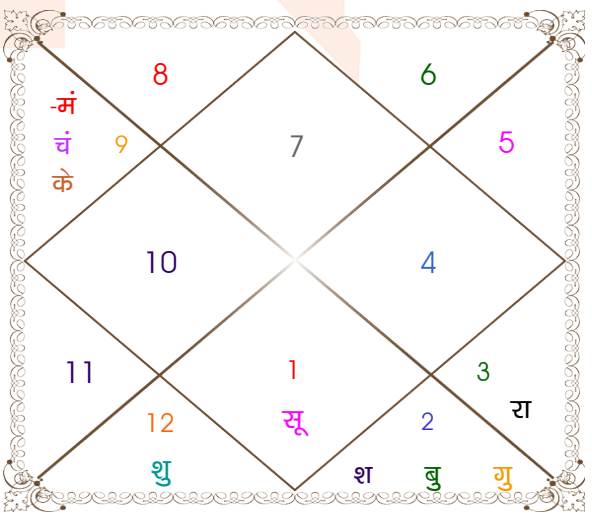

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	वानर	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	तुला	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Mr. का वर्ग सर्प है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।